

करियर

आईआईटी इंदौर संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि सहित चल रहे प्रयासों को दर्शाता है यह कार्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए होंगे 3 नए अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 से तीन नए अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम, एप्लाइड एंड इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस, एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग में बी.टेक. और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड डेटा साइंस में बी.टेक., शुरू होंगे। यह कार्यक्रम अंतः विषय शिक्षा, तकनीकी उन्नति और उभरती वैश्विक प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

ऑटम 2026 से 20 सीटें

रसायन विज्ञान विभाग की ओर से ऑफर किया गया एप्लाइड एंड इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में चार वर्ष का बी.एस.,



रासायनिक विज्ञान में एक मजबूत नींव प्रदान करता है, साथ ही इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल और एप्लाइड एलिमेंट्स को एकीकृत करता है। एआई/एमएल और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, मॉलिक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल और फार्मास्यूटिकल्स, एनर्जी एंड मटेरियल्स में विशेषज्ञता के साथ, कार्यक्रम सही सिद्धांत को व्यावहारिक प्रयोगशाला अनुभव के साथ जोड़ता है। प्रवेश जेईई एडवांस के माध्यम

भविष्य के लीडर को आकार

संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, यह कार्यक्रम भविष्य के लीडर को आकार देने की आईआईटी इंदौर की प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो विभिन्न विषयों को समझते हैं, जिम्मेदारी से नवाचार करते हैं और राष्ट्रीय व वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों में सार्थक योगदान देते हैं। इन परिवर्धनों के साथ, आईआईटी इंदौर बहुविषयक, प्रभावशाली और भविष्योन्मुखी शिक्षा में एक लीडर के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करता है।

से होगा, जिसमें ऑटम 2026 से 20 सीटें उपलब्ध होंगी।

ग्रेजुएट को तैयार करने के लिए किया डिजाइन

आईआईटी इंदौर ने बी.टेक. कार्यक्रम भी शुरू किया है जो इंजीनियरिंग, क्लाइमेंट और वॉटर साइंस और एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स को समग्र रूप से एकीकृत करता

है। 30 सीटों के साथ एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल इंजीनियरिंग में बी.टेक. को इंजीनियरिंग फंडामेंटल्स, एनवायरनमेंटल साइंस और सस्टेनेबिलिटी चालित इकोनॉमिक्स के बैलेंस पाठ्यक्रम के माध्यम से जटिल स्थिरता चुनौतियों का समाधान करने वाले ग्रेजुएट को तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और बिग डेटा एनालिटिक्स: आईआईटी इंदौर

ने 30 सीटों के साथ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड डेटा साइंस में बी.टेक. की शुरुआत की है, जो स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और बिग डेटा एनालिटिक्स के बढ़ते अभिसरण को संबोधित करने के लिए तैयार किया गया एक कार्यक्रम है। मूल बायोमेडिकल सिद्धांतों के साथ एआई और डेटा विज्ञान को एकीकृत करके, कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरों की नई पीढ़ी को आगे बढ़ाना है जो उन्नत बायोमेडिकल उपकरणों, स्मार्ट वियरेबल्स और प्रभावशाली डेटा संचालित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों के विकास को संचालित करने में सक्षम हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्राथमिकताओं के साथ अपनी शैक्षणिक पेशकशों को संरेखित करने के लिए आईआईटी इंदौर के चल रहे प्रयासों को दर्शाता है।